वाशिंगटन जल रहा है!

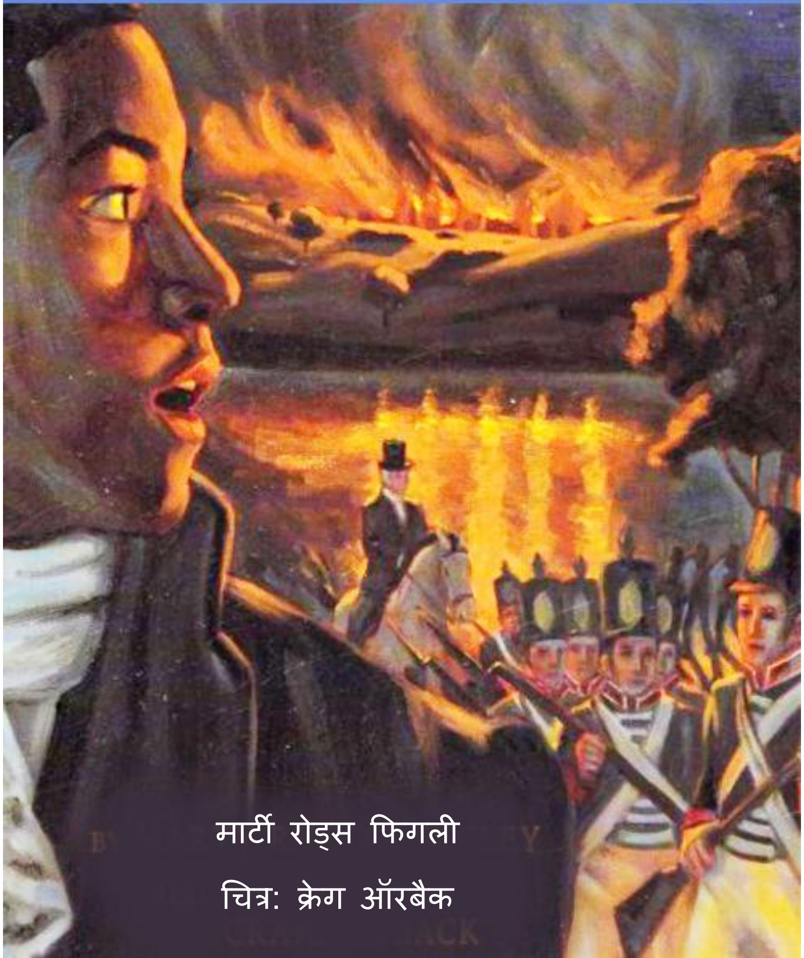

मार्टी रोड्स फिगली

चित्र: क्रेग ऑरबैक

वाशिंगटन जल रहा है!

मार्टी रोड्स फिगली

चित्र: क्रेग ऑरबैक

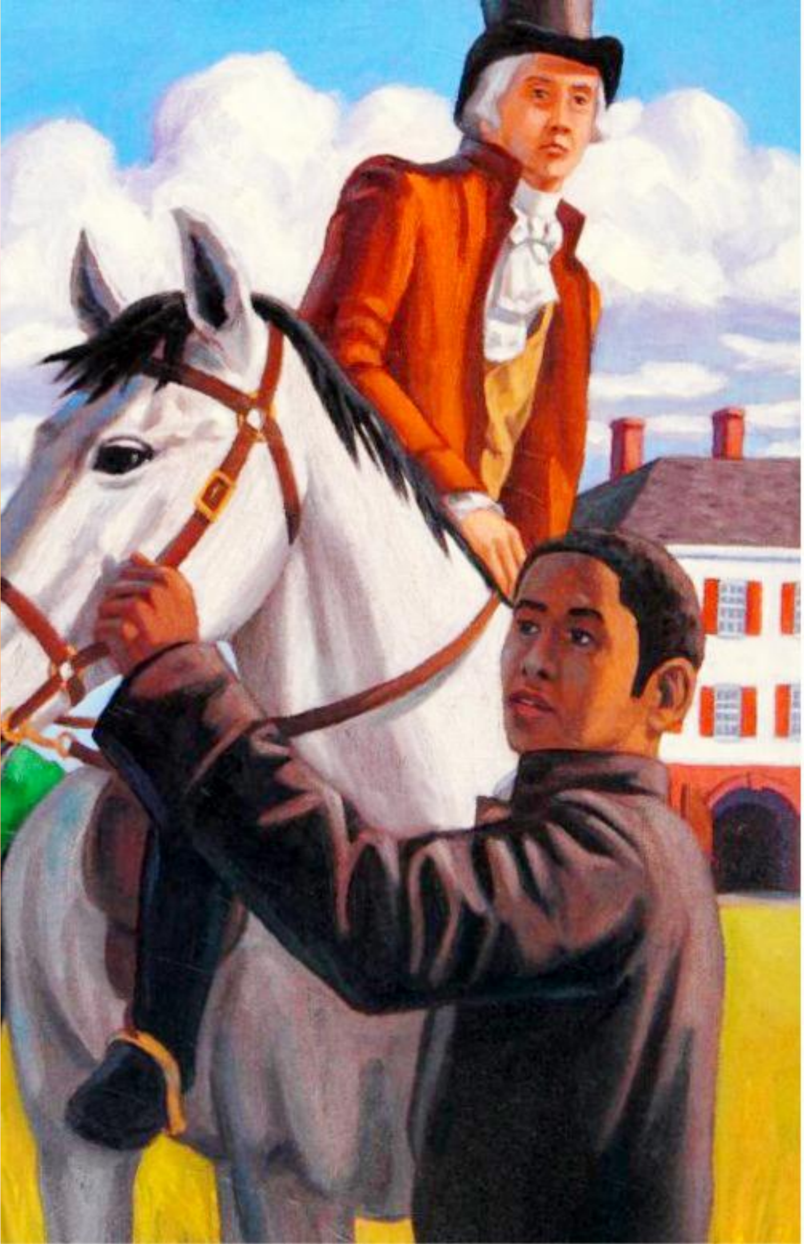

सोमवार सुबह, 22 अगस्त, वाशिंगटन शहर

पंद्रह वर्षीय पॉल जेनिंग्स

ने लगाम थामी.

राष्ट्रपति जेम्स मैडिसन

अपने घोड़े पर सवार हुए.

राष्ट्रपति, अमेरिकी सैनिकों में

शामिल होने वाले थे.

हज़ारों ब्रिटिश सैनिक

वाशिंगटन शहर की ओर बढ़ रहे थे.

अमेरिकी सेना को उन्हें रोकना था.

लेकिन कई अमेरिकी सैनिक बिल्कुल नए थे.

वे लड़ने को तैयार नहीं थे.

राष्ट्रपति मैडिसन चिंतित दिख रहे थे.
"पॉल, मैं यकीन के साथ
मिसेज़ मैडिसन की मदद के लिए
तुम पर निर्भर रह सकता हूँ," उन्होंने कहा.
"उन्होंने यहाँ रुकने और
मेरा इंतज़ार करने का वादा किया है."
"मैं अपनी पूरी कोशिश करूँगा," पॉल ने कहा.
पॉल जेनिंग्स एक गुलाम थे.
उनका जन्म वर्जीनिया में
मैडिसन के बागान में हुआ था.
जब जेम्स मैडिसन संयुक्त राज्य अमेरिका
के राष्ट्रपति बने जब पॉल नौ साल के थे.
पॉल, राजधानी वाशिंगटन स्थित
राष्ट्रपति भवन में रहने आए.

राष्ट्रपति भवन एक
भव्य सफ़ेद हवेली थी.
वो देश का सबसे बड़ा भवन था.
पॉल, राष्ट्रपति मैडिसन के निजी सेवक थे.

पॉल ने राष्ट्रपति को जाते हुए देखा.
फिर वह घर लौट आए.
वह भोजन कक्ष में गए
वहां उन्होंने एक बड़ी पेंटिंग की ओर देखा.
उसमें जॉर्ज वाशिंगटन को
लंबा और गर्व से खड़ा दिखाया गया था.
संयुक्त राज्य अमेरिका के
पहले राष्ट्रपति ने काले कपड़े पहने थे.
उनके हाथ में एक तलवार थी.
पॉल को लगा कि राष्ट्रपति वाशिंगटन
बिल्कुल वैसे ही दिख रहे थे
जैसे किसी महान नेता को दिखना चाहिए.
"क्या आप जॉर्ज की प्रशंसा कर रहे हैं?"
एक आवाज़ ने पूछा.

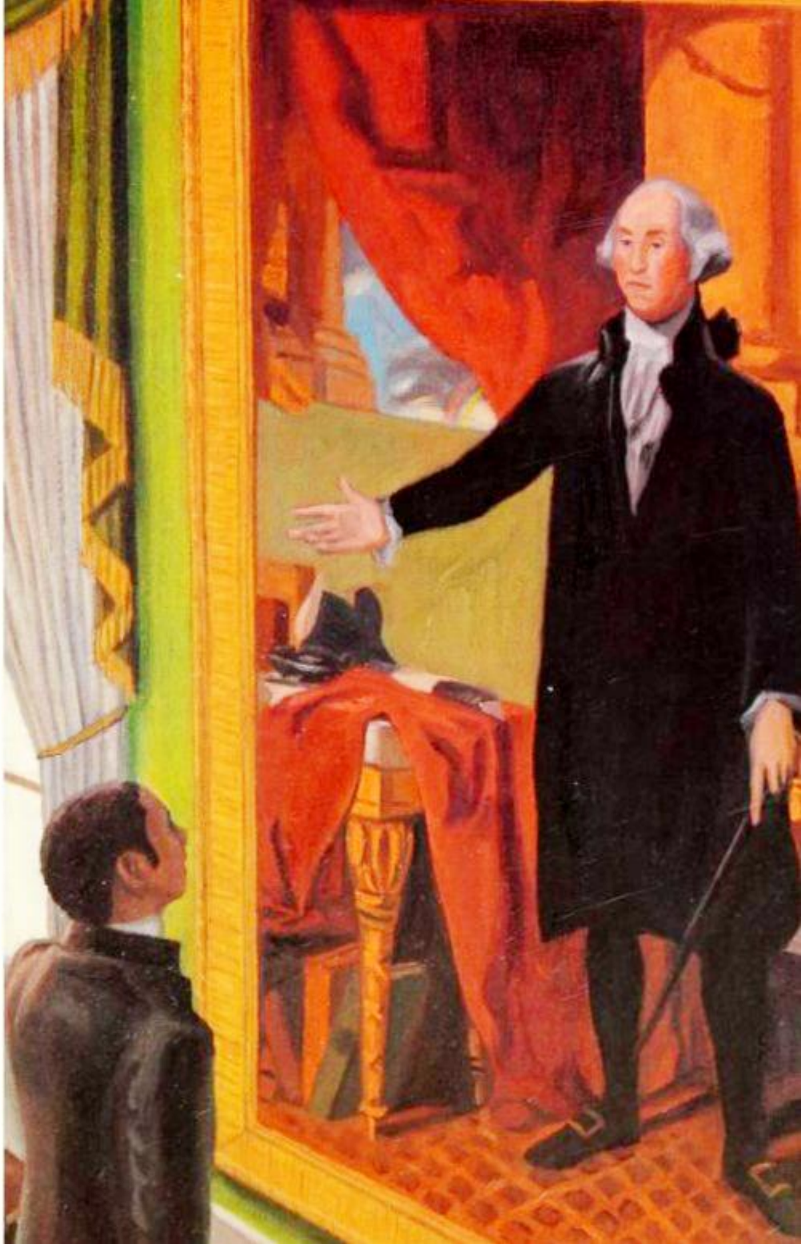

फ्रेंच जॉन, मुख्य सेवक,
पॉल के पीछे खड़ा था.
"जॉर्ज वाशिंगटन ने ब्रिटेन के खिलाफ
क्रांतिकारी युद्ध जीता था," पॉल ने कहा.
"क्या हम अंग्रेजों को फिर से हरा सकते हैं?"

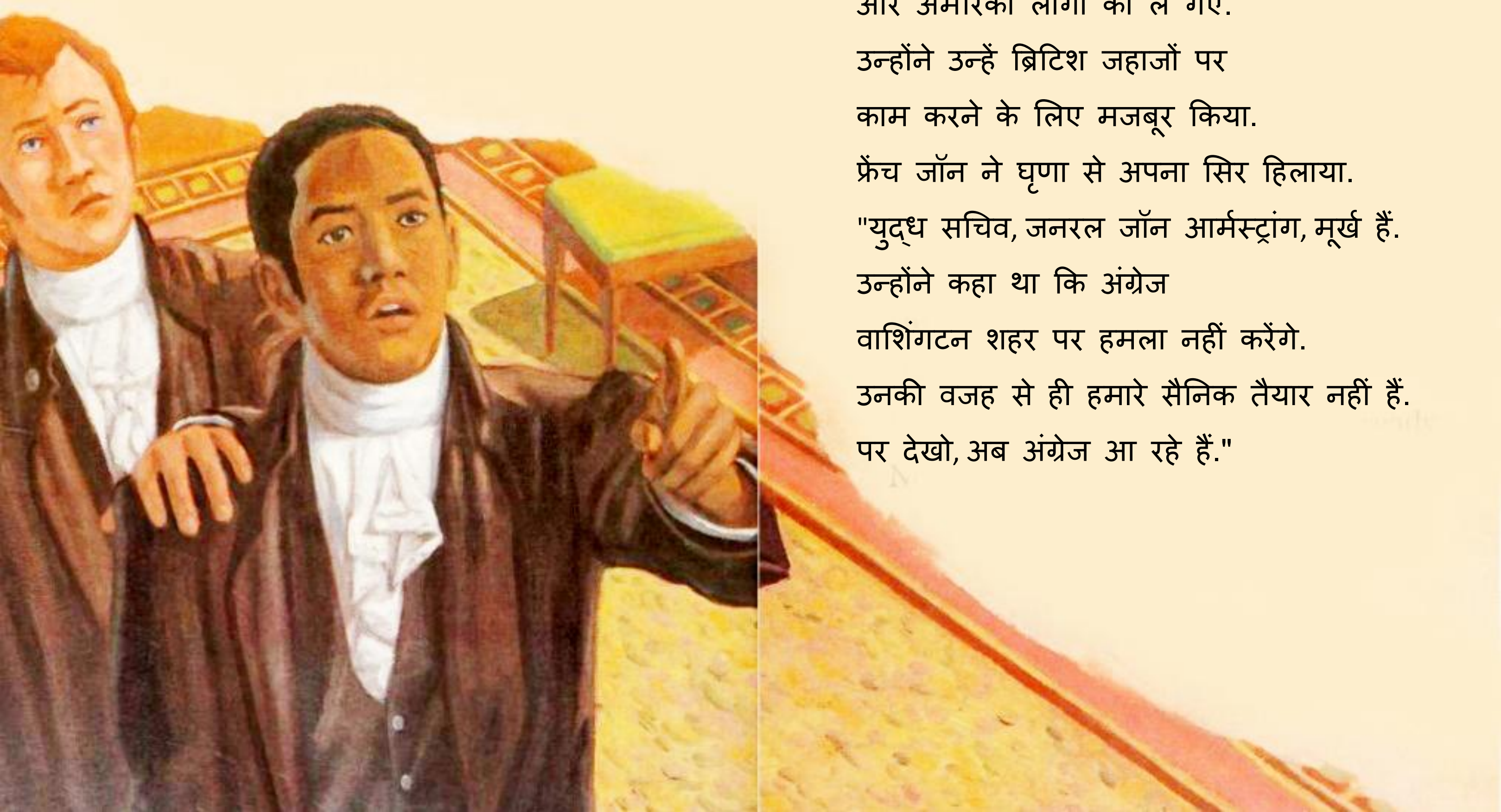

अमेरिका 1812 से, ब्रिटेन के साथ युद्ध में था.
युद्ध इसलिए शुरू हुआ क्योंकि
अंग्रेज, संयुक्त राज्य अमेरिका का
सम्मान नहीं करते थे.
अंग्रेजों ने समुद्र में अमेरिकी जहाजों को रोक दिया
और अमेरिकी लोगों को ले गए.
उन्होंने उन्हें ब्रिटिश जहाजों पर
काम करने के लिए मजबूर किया.
फ्रेंच जॉन ने घृणा से अपना सिर हिलाया.
"युद्ध सचिव, जनरल जॉन आर्मस्ट्रांग, मूर्ख हैं.
उन्होंने कहा था कि अंग्रेज
वाशिंगटन शहर पर हमला नहीं करेंगे.
उनकी वजह से ही हमारे सैनिक तैयार नहीं हैं.
पर देखो, अब अंग्रेज आ रहे हैं."

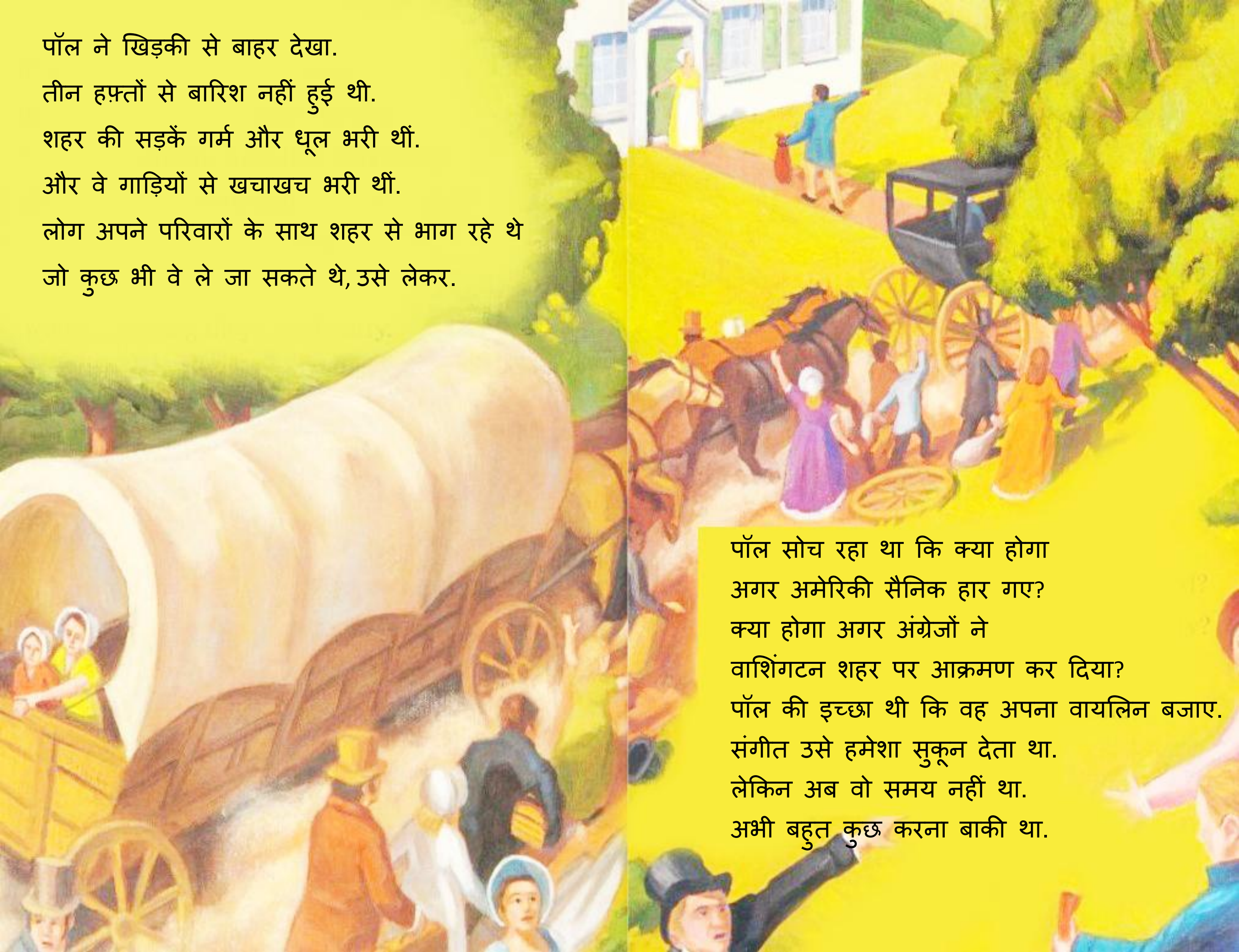

पॉल ने खिड़की से बाहर देखा.
तीन हफ़्तों से बारिश नहीं हुई थी.
शहर की सड़कें गर्म और धूल भरी थीं.
और वे गाड़ियों से खचाखच भरी थीं.
लोग अपने परिवारों के साथ शहर से भाग रहे थे
जो कुछ भी वे ले जा सकते थे, उसे लेकर.

पॉल सोच रहा था कि क्या होगा
अगर अमेरिकी सैनिक हार गए?
क्या होगा अगर अंग्रेजों ने
वाशिंगटन शहर पर आक्रमण कर दिया?
पॉल की इच्छा थी कि वह अपना वायलिन बजाए.
संगीत उसे हमेशा सुकून देता था.
लेकिन अब वो समय नहीं था.
अभी बहुत कुछ करना बाकी था.

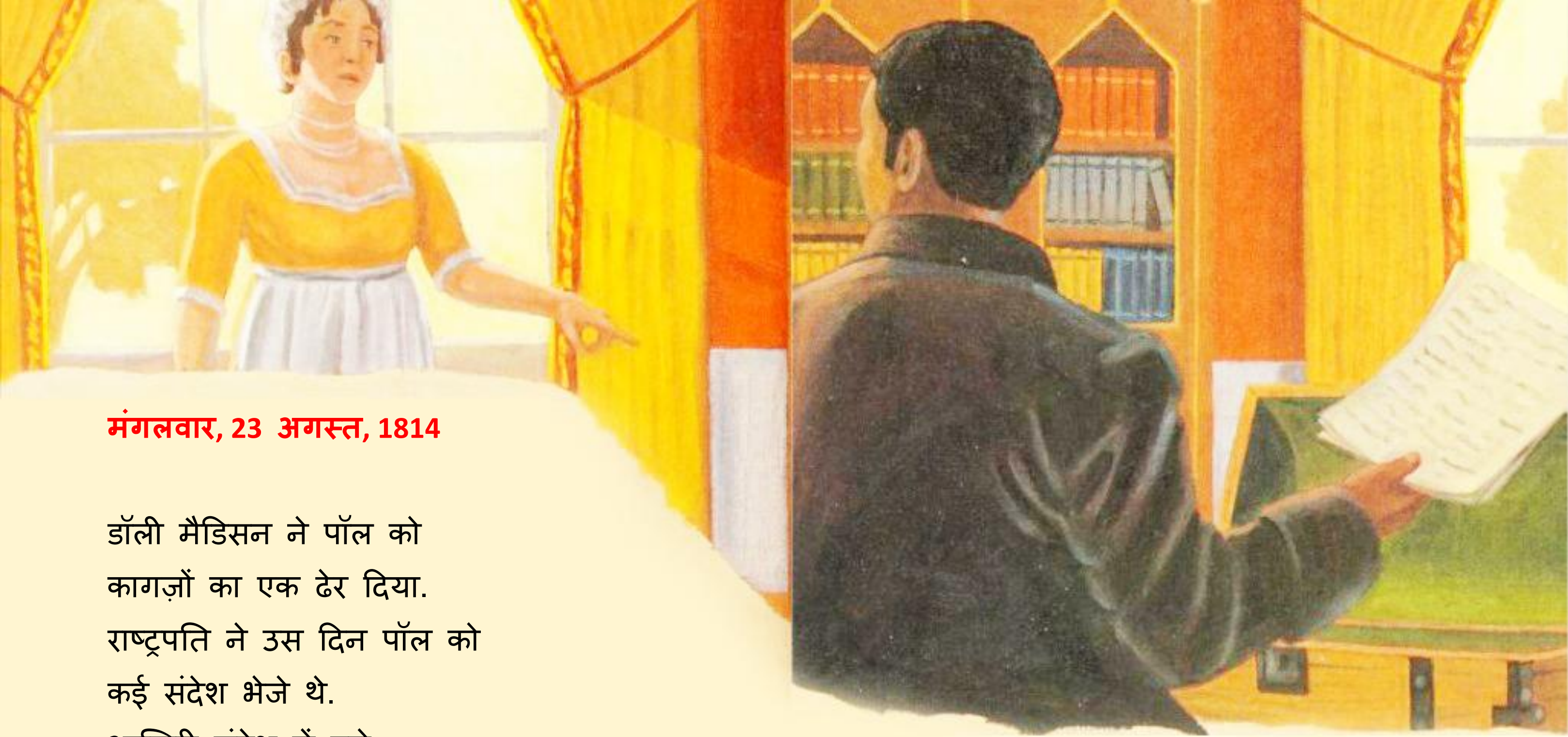

मंगलवार, 23 अगस्त, 1814

डॉली मैडिसन ने पॉल को
कागज़ों का एक ढेर दिया.
राष्ट्रपति ने उस दिन पॉल को
कई संदेश भेजे थे.
आखिरी संदेश में उसे
"एक पल की चेतावनी पर"
जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया था.
लेकिन डॉली तब तक रुकने के लिए दृढ़ थीं
जब तक उसे अपने पति के
सुरक्षित होने का पता न चल जाए.
साथ ही, महत्वपूर्ण सरकारी
कागज़ातों को भी सुरक्षित रखना था.

"उन्हें उस ट्रंक में रख दो
इससे पहले कि हम ट्रंक को बंद करें,"
उन्होंने कहा.
डॉली की आँखें चमक उठीं.
"जो कुछ भी हम अपने साथ नहीं ले जा सकेंगे,
अंग्रेज उसे ज़रूर चुरा लेंगे!"

फ्रेंच जॉन कमरे में दबे पाँव आया.
"घर की रखवाली करने वाले सैनिक
भाग गए हैं!" उसने कहा.
"कायर!" पॉल ने कहा.
हर कोई शहर से भाग रहा था.
पॉल बहादुर दिखने की कोशिश कर रहा था.
लेकिन वह बिल्कुल भी बहादुर नहीं लग रहा था.
डॉली ने अपनी ठुड्डी उठाई.
"चिंता मत करो," उन्होंने कहा.
"मुझे अपने लिए कोई डर नहीं है."
फ्रेंच जॉन ने गुस्से से अपनी मुट्ठी लहराई.
"मैं बारूद की एक लड़ी बिछा दूँगा.
अगर दुश्मन इस घर में घुसने
की कभी हिम्मत करेगा,
तो हम उसे उड़ा देंगे!"
डॉली ने उसके कंधे को थपथपाया.
"देखो, यह मेरा तरीका नहीं है,"
उन्होंने कहा.

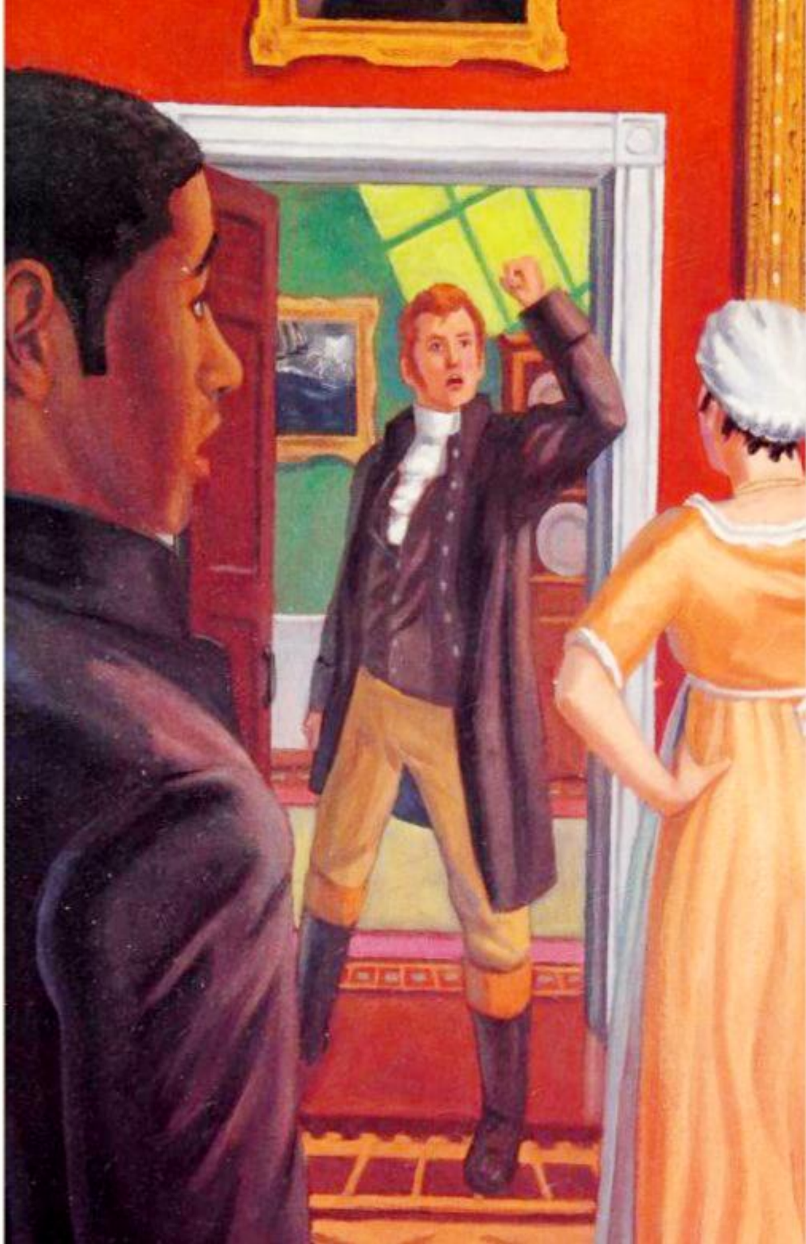

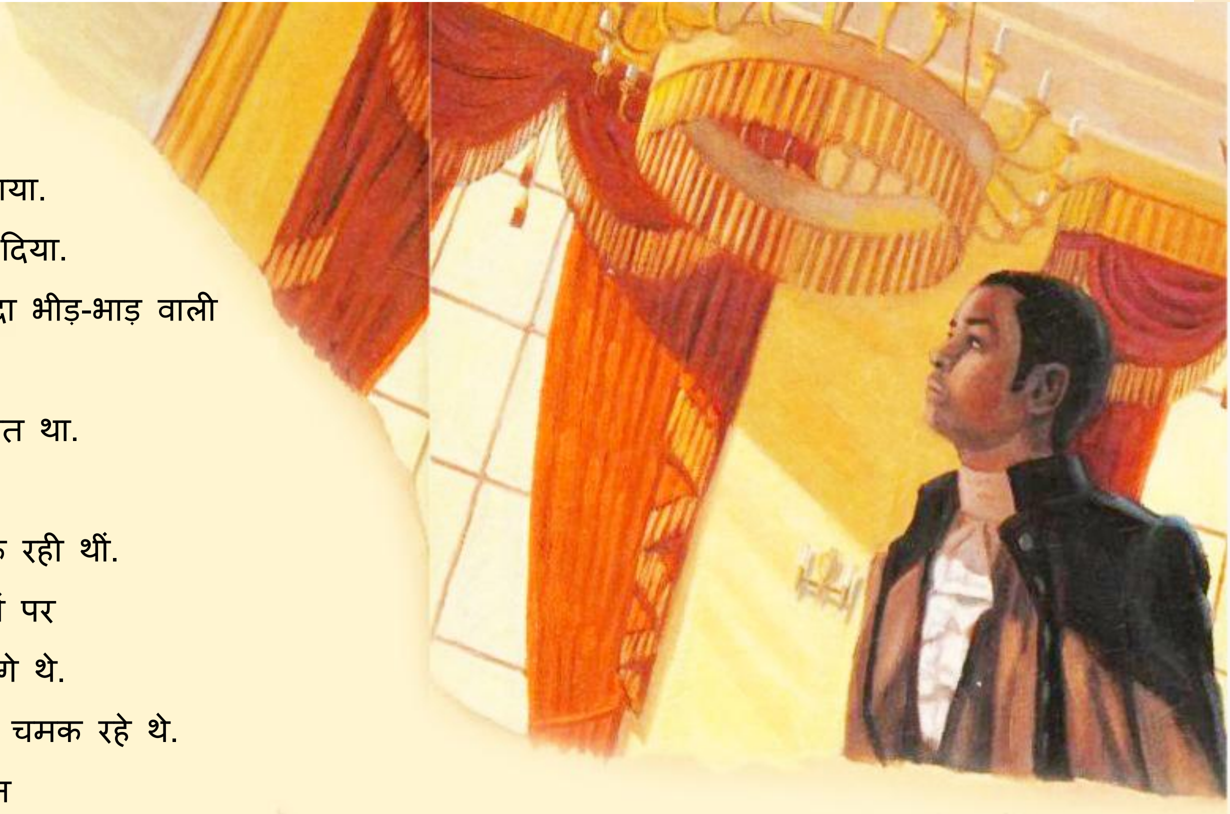

पॉल ट्रंक को बाहर ले गया.
उसने उसे गाड़ी में रख दिया.
सड़कें पहले से भी ज़्यादा भीड़-भाड़ वाली
और शोरगुल वाली थीं.
अंदर, राष्ट्रपति भवन शांत था.
बैठक की पीली दीवारें
दोपहर की धूप में चमक रही थीं.
ड्राइंग रूम की खिड़कियों पर
लाल मखमल के पर्दे लगे थे.
दीवारों पर चाँदी के लैंप चमक रहे थे.
हर हफ्ते, मिसेज़ मैडिसन
अमीर और गरीब दोनों लोगों को
इन कमरों में आमंत्रित करती थीं.
उसके पास हर किसी के लिए
दयालु शब्द होते थे.
अब मिसेज़ मैडिसन खतरे में थीं.
लेकिन वह डरी नहीं थीं.

पॉल जानता था कि उसे क्या करना है.
वह राष्ट्रपति और मिसेज़ मैडिसन
की हर संभव मदद करेगा.
और चाहे कुछ भी हो जाए,
वह बहादुर और शांत रहेगा.

बुधवार दोपहर, 24 अगस्त, 1814

पॉल ने डॉली को ऊपर पाया.
वह एक खिड़की से दूसरी खिड़की तक जा रही थीं,
वो लगातार एक दूरबीन से देख रही थीं.
दूर से तोपों की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी.
छह मील दूर ब्लैडेंसबर्ग में युद्ध हो रहा था.
"मुझे अपने पति के लौटने का
कोई संकेत नहीं दिख रहा है," उन्होंने कहा.
डॉली ने गहरी साँस ली.
"कोई बात नहीं. मैं तब तक यहीं रहूँगी
जब तक मुझे पता नहीं चल जाता
कि मेरे पति सुरक्षित हैं."

वाशिंगटन शहर के मेयर
उस सुबह दो बार डॉली से मिलने आए.
वह चाहते थे कि वह शहर छोड़ दें.
लेकिन डॉली ने मना कर दिया.

पॉल ने देखा कि डॉली चिंतित थीं.
वह उनकी क्या मदद कर सकता था?
"क्या मैं रात के खाने की तैयारी करूँ?" उसने पूछा.
मिसेज़ मैडिसन ने सिर हिलाया.
"हाँ, पॉल," उन्होंने कहा.
"हम हमेशा की तरह तीन बजे खाना खाएँगे.
मुझे उम्मीद है कि हम लड़ाई जीत जायेंगे.
मुझे उम्मीद है कि मेरे पति यहाँ होंगे."

पॉल ने डाइनिंग रूम की मेज़ पर
सोने के डिज़ाइन वाले चीनी मिट्टी के बर्तन सजाए.
उसने साइडर और वाइन ठंडी की.
तोपों की तेज़ गड़गड़ाहट से खिड़कियाँ हिल उठीं.
लेकिन पॉल ने अपना काम शांति से पूरा किया.

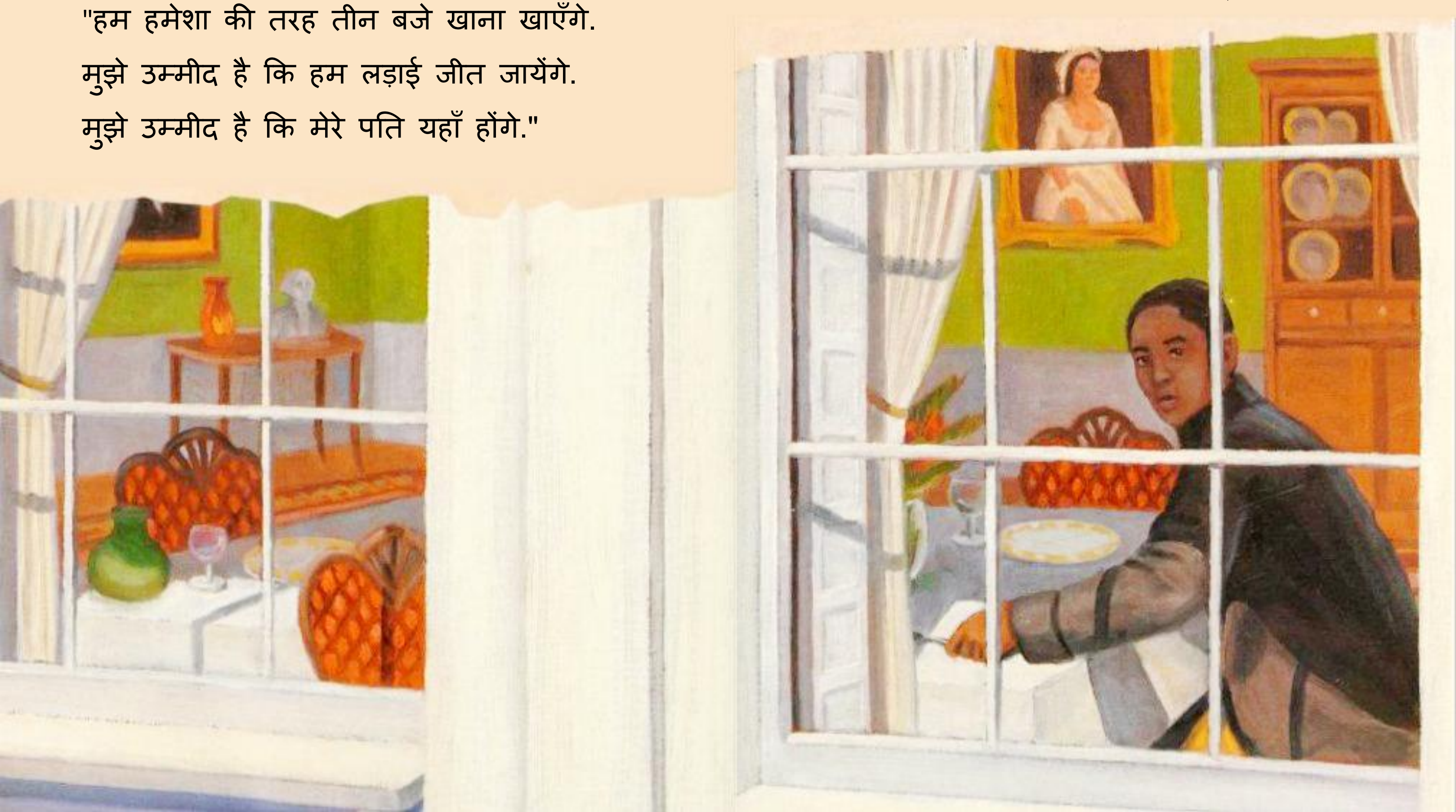

पॉल ने सुकी को दिलासा दिलाने की कोशिश की.
"डरो मत," उसने कहा.
जेम्स ने अपनी टोपी लहराई.
"बाहर निकलो! बाहर निकलो!" वह चिल्लाया.
"जनरल आर्मस्ट्रांग ने
पीछे हटने का आदेश दिया है!"

करीब तीन बज रहे थे.
मिसेज़ मैडिसन की नौकरानी सुकी
खिड़की से बाहर झुकी.
"जेम्स आ रहा है!" वह चिल्लाई.
जेम्स स्मिथ घर की ओर सरपट दौड़ा.
वह राष्ट्रपति के साथ युद्ध में गया था.
"लेकिन राष्ट्रपति उसके साथ नहीं हैं!"
सुकी ने कहा.
"लगता है हम हार गए हैं!"

जेम्स के पास राष्ट्रपति का एक नोट था.
"मेरे पति ने खबर भेजी है.
"हम लड़ाई हार गए हैं," डॉली ने कहा.
"अंग्रेजों के आने से पहले हमें
यहाँ से निकल जाना चाहिए!"
डॉली ने आखिरी बार अपने
आस-पास के खूबसूरत कमरों को देखा.
डाइनिंग रूम में, वह मेज़ के पास रुकीं.
"अंग्रेज हमारा खाना खा सकते हैं," उसने कहा.
"लेकिन उन्हें हमारा चाँदी का
सामान नहीं मिलेगा!"
पॉल ने चाँदी की चीज़ें
डॉली के बैग में रखने में मदद की.

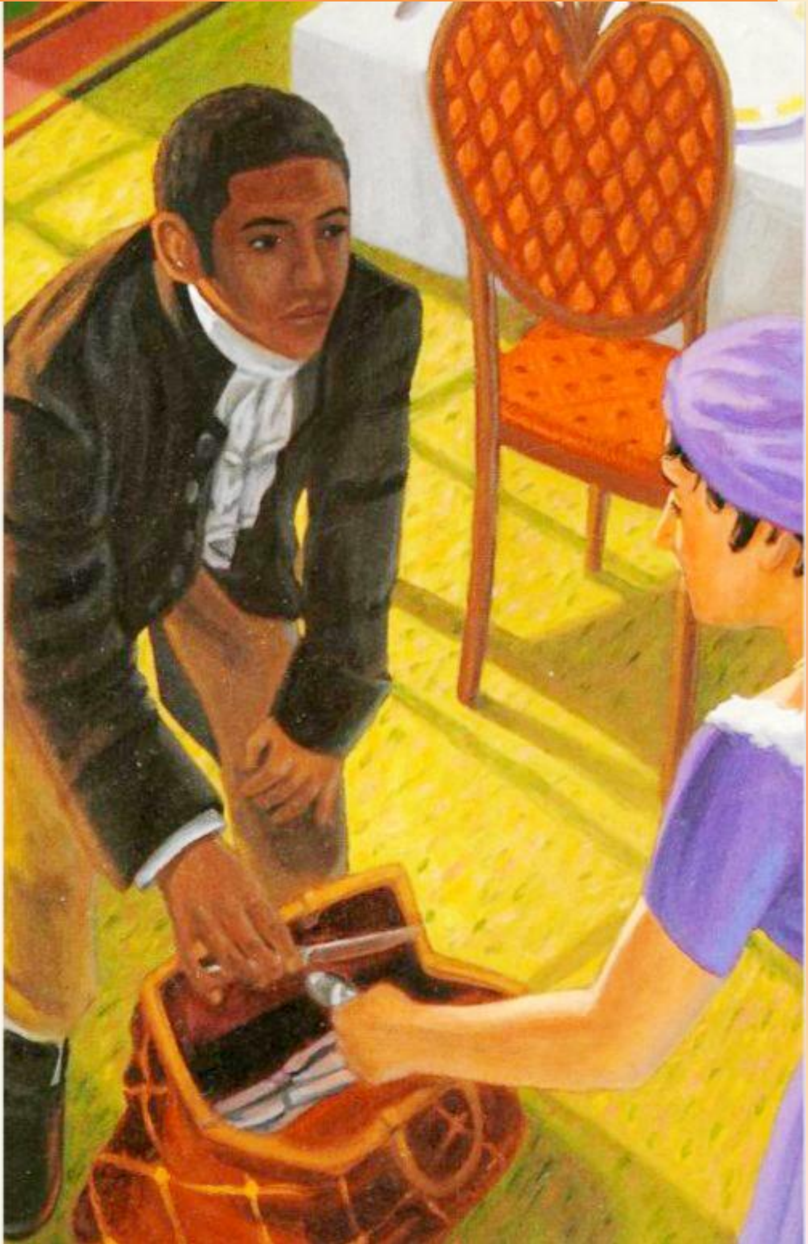

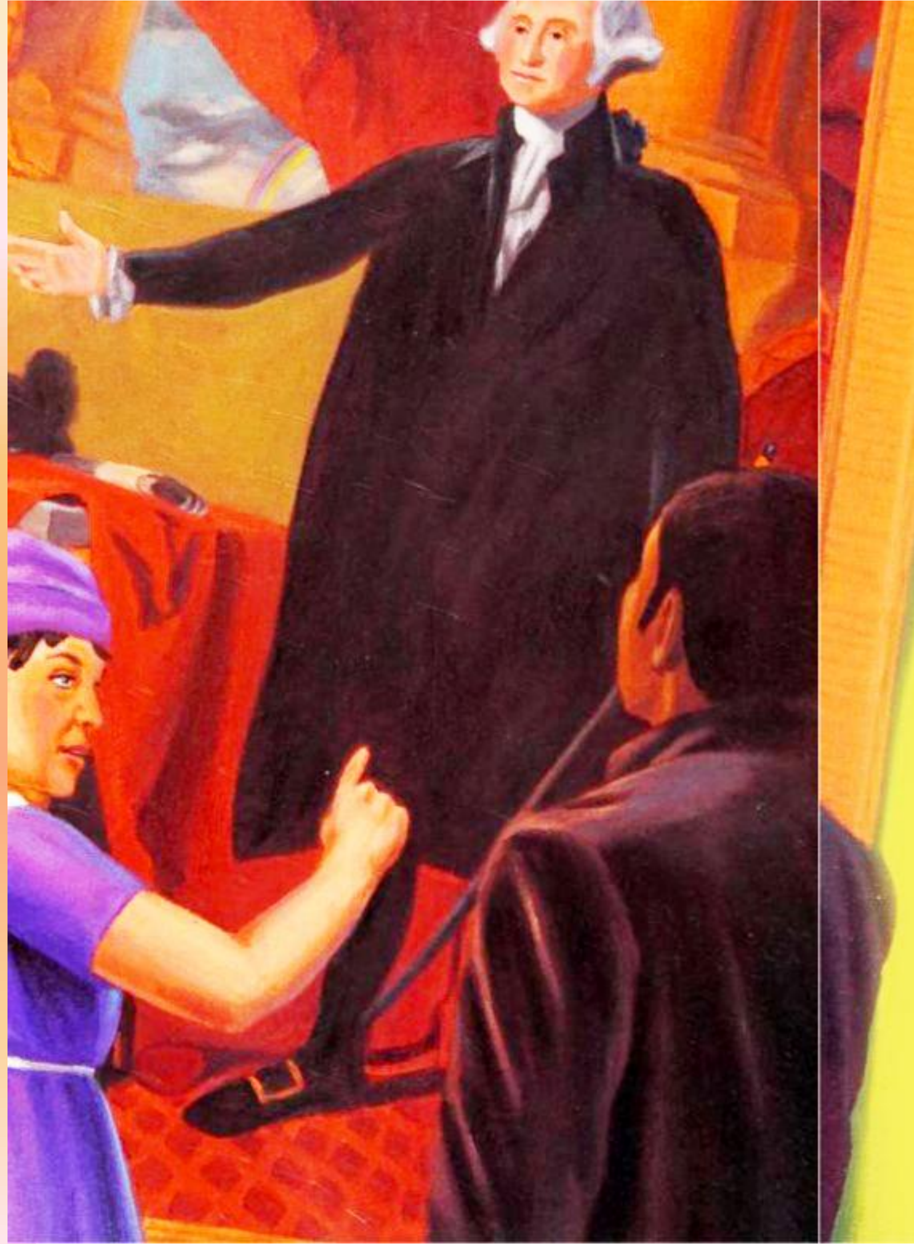

फिर डॉली ने जॉर्ज वाशिंगटन

की पेंटिंग की ओर देखा.

उन्हें एक और काम करना था.

"हो सके तो उस तस्वीर को बचा लो,"

उन्होंने कहा.

"अगर हो न सके, तो उसे नष्ट कर दो.

किसी भी हालत में उसे

अंग्रेजों के हाथों में मत पड़ने दो!"

पॉल और एक अन्य नौकर को एक सीढ़ी मिली
पॉल ने तस्वीर उतारने की कोशिश की.
लेकिन वह दीवार में कसकर गढ़ी हुई थी.
फ्रेंच जॉन ने पॉल को एक कुल्हाड़ी दी
ताकि वह फ्रेम तोड़ सके.
पॉल कुल्हाड़ी का इस्तेमाल नहीं करना चाहता था.
उसे डर था कि उससे पेंटिंग को नुकसान पहुँचेगा.
डॉली समझ गई.
उसने पॉल से कहा कि वह नीचे उतरे
और फ्रेंच जॉन के लिए सीढ़ी को पकड़े.
आखिरकार, तस्वीर को फ्रेम से निकाला गया.
पॉल ने आह भरी.
जॉर्ज वाशिंगटन की तस्वीर सुरक्षित थी.

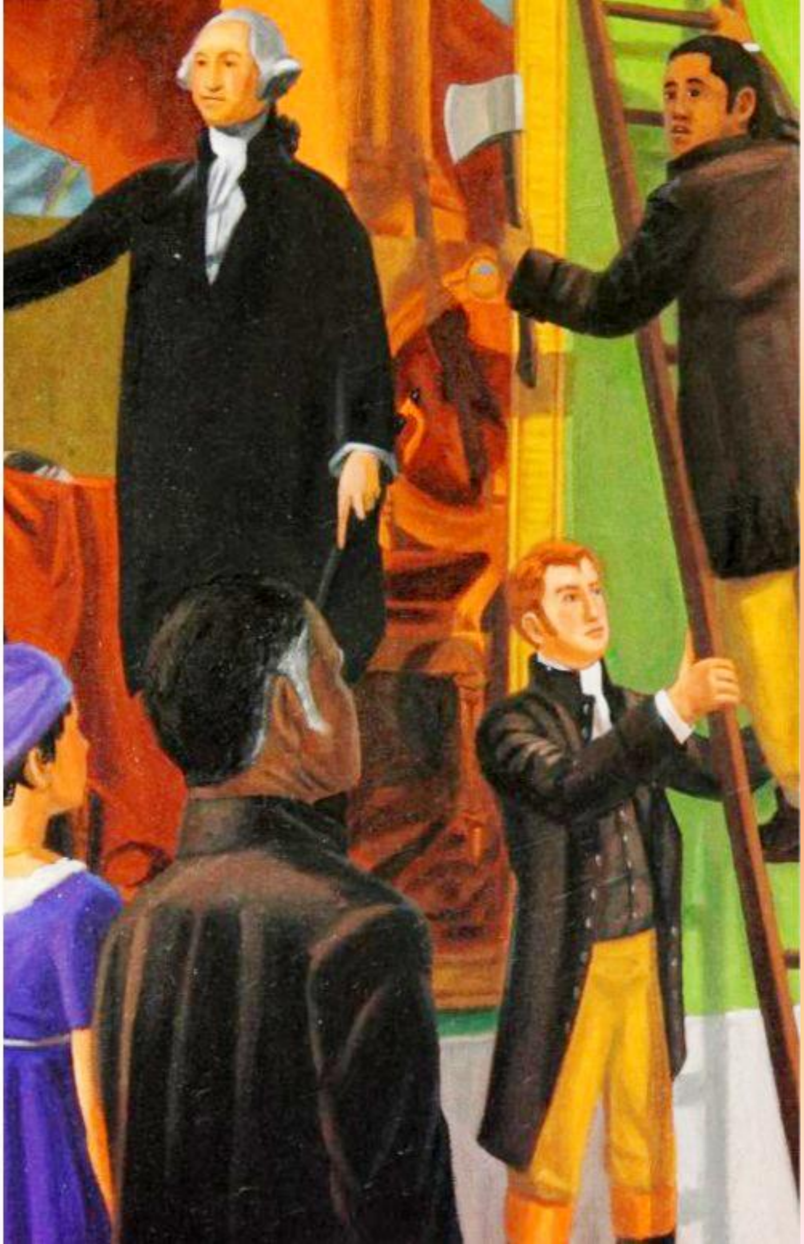

मिसेज़ मैडिसन, सुकी और कोचवान
गाड़ी में बैठकर चले गए.
सड़कों पर, पॉल ने भयभीत लोगों को
चारों ओर भागते देखा.
उसकी आँखों में आँसू भर आए.
अमेरिका की राजधानी जल्द ही
अंग्रेजों के हाथों में होगी.

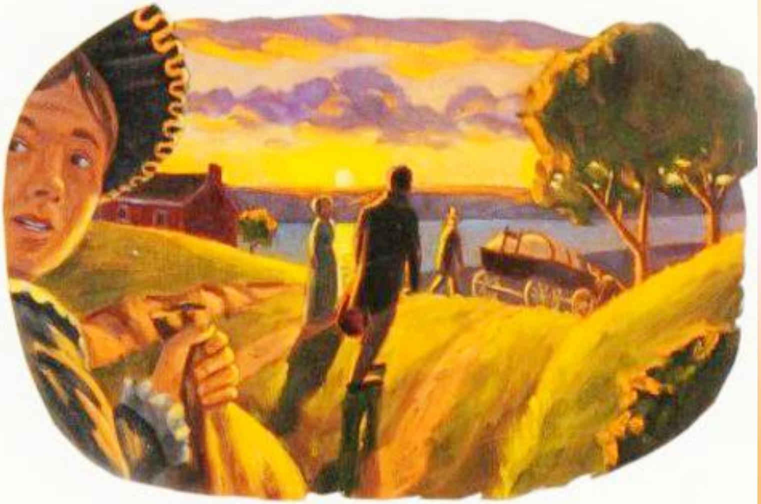

सूर्यास्त, बुधवार, 24 अगस्त, 1814

पॉल पैदल चलकर पोटोमैक नदी तक गया.
वहाँ उसे राष्ट्रपति और उनके लोग मिले.
वे सुरक्षित थे.
वे दोनों मिलकर नौका का इंतज़ार कर रहे थे.
पॉल को नहीं पता था कि
वाशिंगटन शहर का क्या होगा.
उसने अपना बस्ता टटोला.
कम-से-कम उसने अपना
वायलिन तो बचा लिया था.

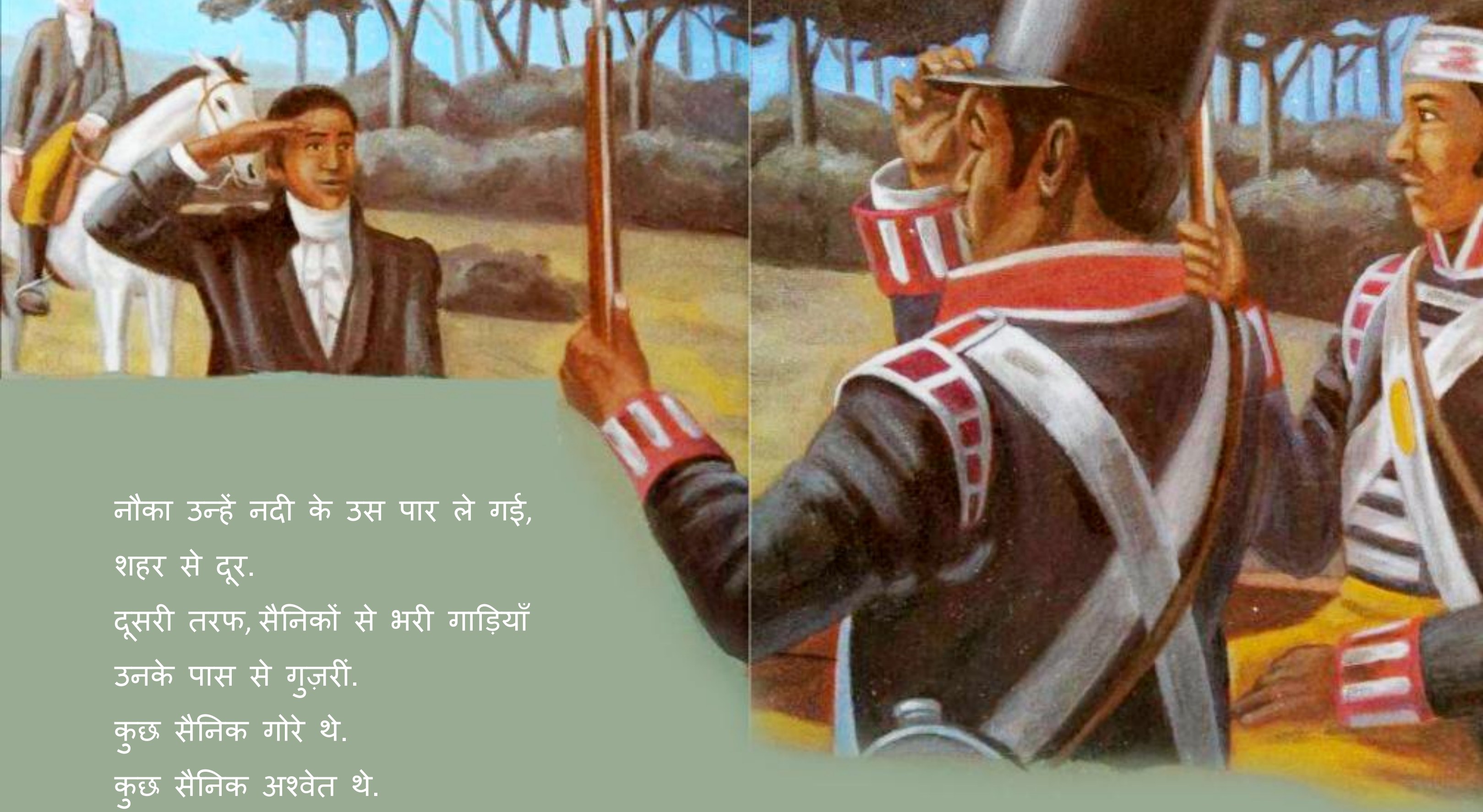

नौका उन्हें नदी के उस पार ले गई,
शहर से दूर.
दूसरी तरफ, सैनिकों से भरी गाड़ियाँ
उनके पास से गुज़रीं.
कुछ सैनिक गोरे थे.
कुछ सैनिक अश्वेत थे.
"वे कमांडर बार्नी की सेना हैं,"
राष्ट्रपति मैडिसन ने कहा.
"उन्होंने ब्लेडेंसबर्ग में अच्छी लड़ाई लड़ी.
जबकि दूसरे सैनिक भाग गए,
वे अपनी जगह पर डटे रहे."

पॉल ने सलामी देने के लिए हाथ उठाया.
एक अश्वेत सैनिक ने
उसे वापस सलामी दी.
पॉल को बहादुर अश्वेत सैनिकों पर गर्व हुआ.

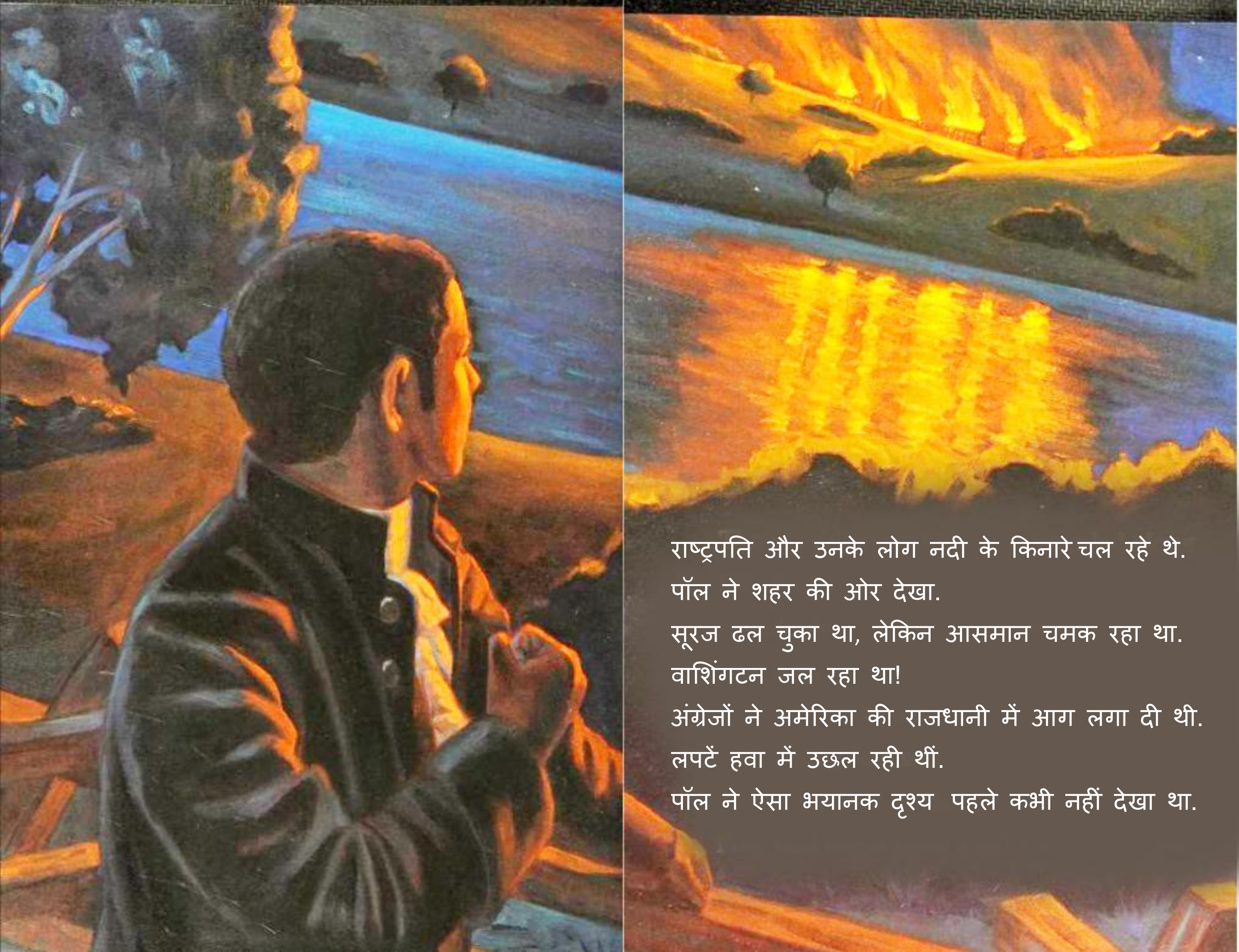

राष्ट्रपति और उनके लोग नदी के किनारे चल रहे थे.
पॉल ने शहर की ओर देखा.
सूरज ढल चुका था, लेकिन आसमान चमक रहा था.
वाशिंगटन जल रहा था!
अंग्रेजों ने अमेरिका की राजधानी में आग लगा दी थी.
लपटें हवा में उछल रही थीं.
पॉल ने ऐसा भयानक दृश्य पहले कभी नहीं देखा था.

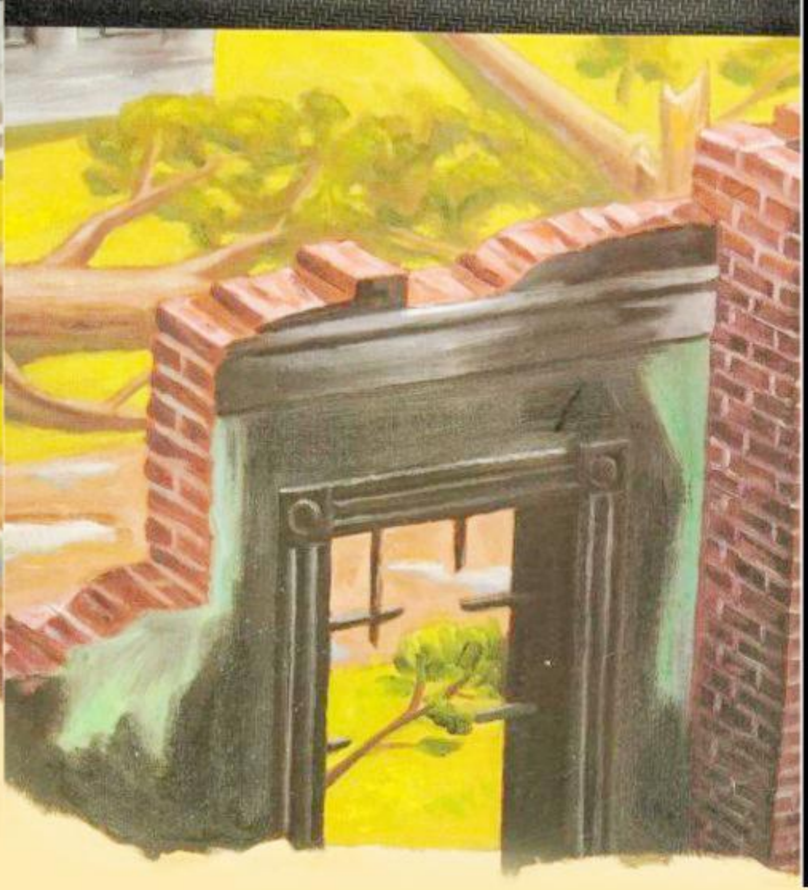

रविवार, 28 अगस्त, 1814

चार दिन बाद, पॉल, राष्ट्रपति के साथ
वाशिंगटन शहर लौटकर आया.
जब आग जल रही थी,
उसी दौरान एक तूफ़ान आया.
शहर में एक बवंडर आया.
ब्रिटिश सैनिक भाग गए थे.
तूफ़ान से हुई बारिश ने
आग बुझाने में मदद की.
लेकिन बवंडर ने शहर को
तहस-नहस कर दिया था.

बड़े-बड़े पेड़ उखड़ गए.
छतें उड़ गईं.
ज़्यादातर भव्य इमारतें
जली हुई खंडहर बन गईं.

पॉल राष्ट्रपति भवन के
खंडहरों के बीच चल रहे थे.
हवा में धुएँ की गंध आ रही थी.
उनका खूबसूरत घर नष्ट हो गया था.
पॉल ने एक सफ़ेद खंभे पर हाथ फेरा.
वह ज़मीन पर टूटा हुआ पड़ा था.
राष्ट्रपति मैडिसन ने सड़क पर
लोगों को दिलासा दिलाने की कोशिश की.

"हम अंग्रेजों को हमारी सेना को हराने नहीं देंगे!
हम शहर का पुनर्निर्माण करेंगे!" उन्होंने कहा.
पॉल जानता था कि राष्ट्रपति
अमेरिकी लोगों को वाशिंगटन शहर से
नहीं भगाएँगे.
लड़ाई अब खत्म हो चुकी थी.
लेकिन पॉल सोच रहा था कि
क्या यह युद्ध कभी खत्म होगा.

बुधवार, 14 सितंबर, 1814

रात के खाने के बाद पॉल
खिड़की वाली सीट पर बैठा था.
मैडिसन परिवार ने डॉली की बहन
और उनके पति के साथ खाना खाया था.
पॉल को अपने घर की याद आ रही थी.
राष्ट्रपति भवन में कोई नहीं रह सकता था.
वहां सिर्फ़ काली पड़ चुकी दीवारें
और राख ही बची थी.

पॉल खिड़की से बाहर देख रहा था.
मलबे से भरी गाड़ियाँ
वाशिंगटन शहर की सड़कों पर
खड़खड़ा रही थीं.

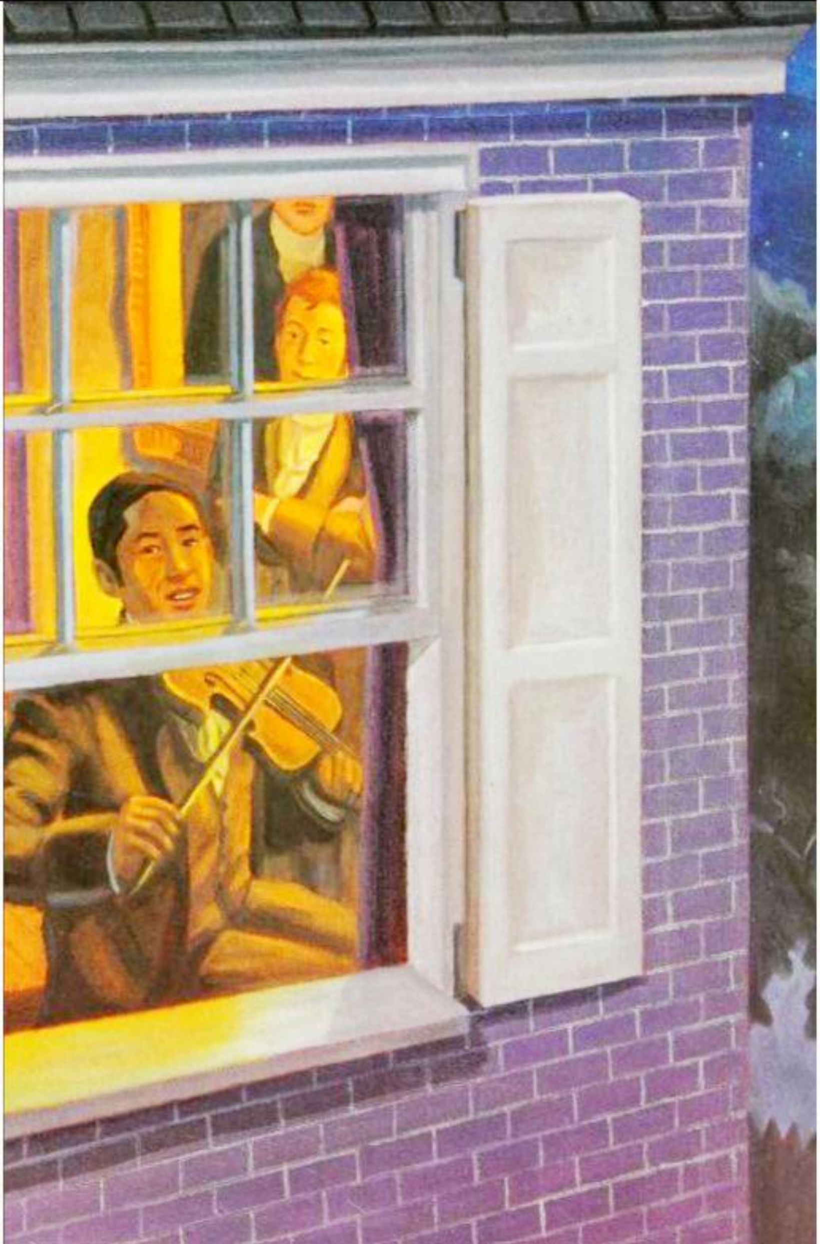

फ्रेंच जॉन कमरे में दौड़ा.
"अच्छी खबर है, पॉल," उसने कहा.
"बाल्टीमोर के पास
फोर्ट मैकहेनरी में एक शानदार
लड़ाई लड़ी जा रही है!
हमारे सैनिक वहां डटे हुए हैं.
हमारा झंडा अभी भी वहां लहरा रहा है!
अंग्रेजों ने किले पर कब्ज़ा नहीं किया!"
पॉल आशा से भर गया.
वह जानता था कि अमेरिकी हार नहीं मानेंगे.
किसी दिन, राष्ट्रपति भवन फिर से भव्य होगा.
जॉर्ज वाशिंगटन का चित्र
फिर से दीवार पर टंगा होगा.
अमेरिका ब्रिटेन से आज़ादी के लिए
अपना दूसरा युद्ध जीतेगा.
पॉल जेनिंग्स ने अपना
वायलिन बजाना शुरू किया.
उनका संगीत खिड़की से बाहर
और सितारों तक पहुँचा.

उपसंहार

पॉल जेनिंग्स ने 17 फ़रवरी, 1817 को फिर से अपना वायलिन बजाया, जब राष्ट्रपति मैडिसन ने, ब्रिटेन के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किए.

अमेरिकियों ने अपनी राजधानी का पुनर्निर्माण किया, लेकिन पॉल जेनिंग्स और मैडिसन परिवार राष्ट्रपति भवन में रहने के लिए कभी वापस नहीं लौटे. 1817 में जेम्स मोनरो के राष्ट्रपति बनने तक राष्ट्रपति भवन की मरम्मत पूरी नहीं हुई थी. जॉर्ज वाशिंगटन का चित्र एक बार फिर राष्ट्रपति भवन में टंगा हुआ था.

पॉल जेनिंग्स ने 1836 में राष्ट्रपति की मृत्यु तक जेम्स मैडिसन की सेवा की. पैसे की कमी के कारण, 1846 में डॉली ने पॉल को बेच दिया. इसके तुरंत बाद, 48 वर्ष की आयु में, पॉल अपनी आज़ादी खरीदने में सक्षम हुए.

1848 में, पॉल ने एक बड़े गुलाम पलायन की योजना बनाने में मदद की. 70 से ज़्यादा पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने "पर्ल" नाम के जहाज़ पर आज़ादी की यात्रा की. लेकिन जहाज़ को रोक लिया गया. जेनिंग्स ने उन दो बच्चों की आज़ादी के लिए धन जुटाने में कई साल बिताए, जिन्हें पकड़े जाने के बाद बेच दिया गया था.

यह जॉर्ज वाशिंगटन का चित्र है जिसे बचाने में पॉल जेनिंग्स ने डॉली मैडिसन की मदद की थी. इसे गिल्बर्ट स्टुअर्ट ने बनाया था.

पॉल ने वाशिंगटन पर ब्रिटिश हमले की अपनी यादें "ए कलर्ड मैन्स रिमिनिसेंसेज़ ऑफ़ जेम्स मैडिसन" में लिखीं, जो 1865 में प्रकाशित हुई. डॉली मैडिसन और फ्रेंच जॉन ने कहानी के अपने-अपने संस्करण बताए. यह किताब तीनों की यादों को समेटे हुए है.

आज़ाद होने के बाद, पॉल जेनिंग्स ने सरकार के लिए, आंतरिक विभाग में काम किया. 1874 में अपनी मृत्यु तक वे वाशिंगटन में रहे.